

# भारत का पहला डेस्कटॉप वेजिटेबल ग्राफिटिंग रोबोट

सटीक ग्राफिटिंग के साथ पाएँ स्वस्थ और अधिक उपज देने वाले  
पौधे



📞 +91 90740 56134

✉️ hello@grafito.in

अपना ग्राफिटिंग रोबोट आज ही प्राप्त करें!

# ग्राफ्टिंग क्या है?

ग्राफ्टिंग एक बागवानी तकनीक है जिसमें दो अलग-अलग पौधों के हिस्सों को जोड़कर एक पौधे की तरह उगाया जाता है।

नीचे वाला हिस्सा ठट्टोंक कहलाता है, जो पौधे की जड़ें और सहारा देता है। ऊपर वाला हिस्सा साइडऑन कहलाता है, जो तना, पत्तियाँ, फूल या फल बनाता है।

ग्राफ्टिंग ठीक तरह से सफल होने के लिए, ठट्टोंक और साइडऑन दोनों के कैम्बियम (अंदर की मुलायम परत) का सही तरीके से मिलना बहुत ज़रूरी है। तभी वे आपस में जुड़कर एक मजबूत पौधा बनाते हैं।



## उपयोग किए जाने वाले ग्राफ्ट के प्रकार

**स्लाइस ग्राफ्टिंग** एक आसान और आम तरीका है ठट्टोंक और स्कियन को समान मोर्टार्ड वाले **30-45°** कोण पर काटें। ताकि उनकी केंबियम परतें अच्छी तरह मिल जाएँ और आसानी से जुड़ जाएँ। दोनों तनों की मोर्टार्ड लगभग एक जैसी होनी चाहिए। जोड़ को मजबूत रखने के लिए ग्राफ्टिंग क्लिप लगाई जाती है, जिससे सही तरीके से जुड़ाव हो सके।

यह तरीका टमाटर, बैंगन, मिर्च, शिमला मिर्च, बिंडी, खटबूजा, तरबूज, खीरा और अन्य लौकी वर्ग की फसलों में बहुत इस्तेमाल होता है। इससे पौधे मजबूत बनते हैं क्योंकि ठट्टोंक की बीमारी और तनाव सहन करने की क्षमता, साइडऑन की उपज और फल की गुणवत्ता के साथ मिल जाती है।

यह विधि तेज़ है, नर्सरी में आसानी से की जा सकती है, और **25-30°C** तापमान पर बहुत अच्छे सफल परिणाम देती है।



## ग्राफ्टिंग के फायदे



कीट और बैक्टीरियल विल्ट से सुरक्षा



30-40% अधिक उपज



बाढ़ और लवणता (नमक) सहनशीलता



कीटनाशकों का कम उपयोग

## ग्राफ्टिंग को ऑटोमेट क्यों करें और हम क्या करते हैं?

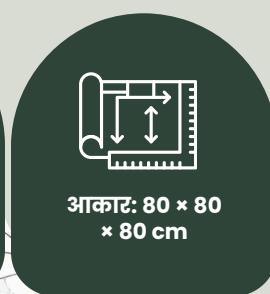
ग्राफ्टिंग नर्सरी और किसानों के लिए बड़े व्यवसायिक अवसर प्रदान करती है, लेकिन श्रमिकों की कमी, गुणवत्ता में अस्थिरता, अधिक उत्पादन मांग को पूरा करने में कठिनाई, और काम की दोहराव प्रकृति जैसी चुनौतियाँ इसकी पूरी क्षमता को रोकती हैं।

इन्हीं समस्याओं को हल करने के लिए, ग्राफिटो ने पूर्ण और अर्ध-स्वचालित ग्राफ्टिंग मशीनें विकसित की हैं।

# मर्थीन की मुख्य विशेषताएँ

- 01 बिल्कुल सही और आसान चलने के लिए इलेक्ट्रिक संचालित प्रणाली।
- 02 स्प्लाइस ग्राफिंग के लिए विशेष रूप से उपयुक्त
- 03 मर्थीन-विजन जोड़ने के लिए तैयार
- 04 संचालन सेटिंग्स को प्रोग्राम करने की क्षमता
- 05 कठार्ड का कोण और ऊँचार्ड समायोज्य
- 06 एक ही ऑपरेटर से चलाने योग्य
- 08 टीयल-टाइम मॉनिटरिंग और लॉगिंग
- 07 ज्यादातर व्यावसायिक ग्राफिंग किलेप के साथ संगत
- 09 विशेष ग्राफिंग टूल के लिए बदलने योग्य मॉड्यूल
- 10 सतत सटीकता

## तकनीकी विवरण



# हमारी ग्राफिंग मशीन कैसे काम करती है?

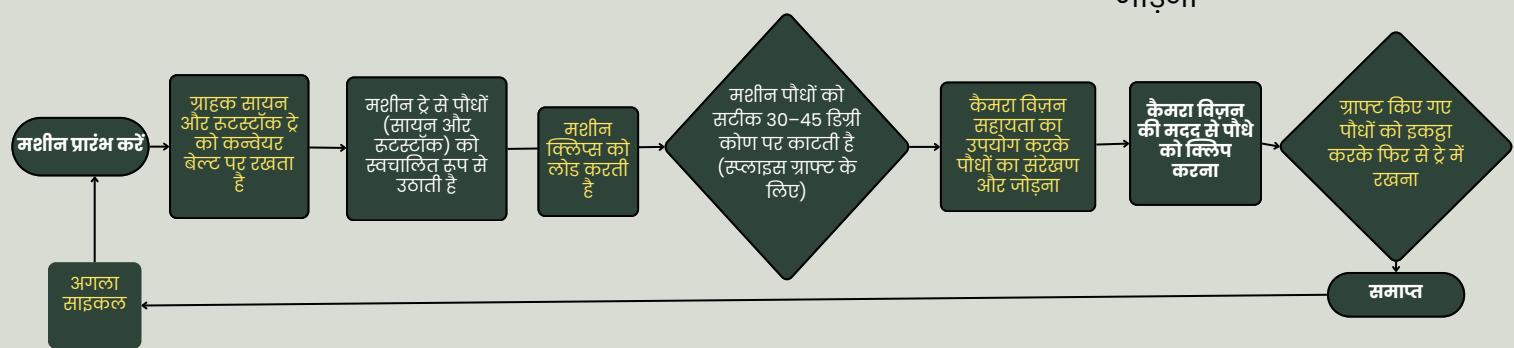
हमारी ग्राफिंग मशीन अलग-अलग नर्सरी जड़तों के लिए दो लचीले मोड प्रदान करती है।

अर्ध-स्वचालित मोड:

ऑपरेटर केवल ठट्टांक, सायन और क्लिप्स डालता है, जबकि मशीन सभी सटीक कार्य – कटिंग, संटेखण और जोड़ने – अपने आप करती है। इससे हर ग्राफ्ट एकसमान और भयोसेमंद बनता है।

पूर्ण-स्वचालित मोड:

बड़े ऑपरेशन के लिए, यह मोड पूरी तरह से रोबोटिक वर्कफ्लो प्रदान करता है। मशीन ट्रे से पौधों और क्लिप्स को स्वचालित रूप से उठाती है, बिना किसी मैन्युअल प्रयास के, जो उच्च मात्रा और सतत उत्पादन के लिए आदर्श है।



## मूल्य निर्धारण

झेवा के रूप में ग्राफिंग  
**₹25,000/महीना**  
+  
एक बार की सेटअप फीस

अर्ध-स्वचालित प्रणाली  
**Rs 5,00,000**

मैन्युअल लोडिंग  
 स्वचालित कटिंग, संटेखण और क्लिपिंग

पूर्ण-स्वचालित प्रणाली  
**Rs 6,50,000**

स्वचालित पौधा लोडिंग  
 स्वचालित क्लिप लोडिंग



# ग्राफ्टेड और बिना ग्राफ्ट के पौधों की लागत तुलना (मैनुअल ग्राफ्टिंग के जरिए) - केस स्टडी

बैंगन को *Solanum torvum*(टरकी बेरी / जंगली बैंगन) ठट्टांक पर ग्राफ्ट करने से पौधे की मजबूती, मिट्टी से होने वाली बीमारियों के प्रति प्रतिरोध, और कुल उपज में काफी सुधार होता है।

| Parameter   | Non-Grafted Crop           | Grafted Crop ( <i>S. torvum</i> ) |
|---|----------------------------|-----------------------------------|
| <b>Land Preparation</b>                                   | ₹15,000                    | ₹15,000                           |
| <b>Nursery Cost</b>                                       | ₹6,970 (5×2 ft)            | ₹29,040 (5×3 ft, grafted)         |
| <b>Labour Cost</b>  | 90,000                     | 1,20,000                          |
| <b>Other Costs</b>  | ₹1,13,000                  | ₹1,43,000                         |
| <b>Total Expense</b><br><small>(Land Preparation,</small> | ₹2,24,970                  | ₹3,07,040                         |
| <b>Expected Yield</b>                                     | 40 MT @ ₹10/kg = ₹4,00,000 | 80 MT @ ₹10/kg = ₹8,00,000        |
| <b>Total Income</b>                                       | ₹4,00,000                  | ₹8,00,000                         |
| <b>Total Savings</b>                                      | ₹1,75,030                  | ₹3,92,960                         |

## लाभ-लागत अनुपात: 1:2

₹1 के निवेश पर उन्हें ₹2 का फायदा हुआ। ग्राफ्टेड बैंगन ने 20–25% ज्यादा उपज दी और निवेश पर 2–2.2 गुना अधिक रिटर्न दिया। इससे पता चलता है कि ग्राफ्टिंग फायदे वाला, बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करने योग्य और लंबी अवधि में किसानों के लिए लाभकारी है।

## ग्राफ्टिंग की अर्थव्यवस्था

ICRISAT ने रायालसीमा (AP) में मिट्टी से होने वाली बीमारियों, नमक की समस्या और गर्भी के कारण उपज घटने को कम करने के लिए एक ग्राफ्टेड सब्जी कार्यक्रम शुरू किया। इसका लक्ष्य तीन साल में 400 हेक्टेयर क्षेत्र में ग्राफ्टेड पौधों को बढ़ावा देना था। बागवानी विभाग और Heirloom Plants Pvt. Ltd. के सहयोग से, कई जिलों के किसानों को ग्राफ्टेड पौधे और प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण गाँव के “लनिंग साइट्स” के माध्यम से, Center of Excellence (CoE) के पास आयोजित किया गया।

किसानों ने जल्दी ही इसके फायदे देखे—कीट और रोगों की संख्या कम हुई और सामान्य पौधों की तुलना में उपज 20–150% बढ़ी।

| Crop         | Non-Grafted Seedlings Produced | Area Covered (acres) |
|--------------|--------------------------------|----------------------|
| Tomato       | 9,18,734                       | 122.5                |
| Brinjal      | 2,48,500                       | 33.13                |
| Bitter gourd | 46,774                         | 12.64                |
| Bottle gourd | 3,057                          | 0.83                 |
| Cabbage      | 6,319                          | 0.53                 |
| Capsicum     | 34,822                         | 1.39                 |
| Chilli       | 5,73,732                       | 47.81                |
| Drumstick    | 1,643                          | 0.53                 |
| Ridge gourd  | 3,315                          | 0.9                  |
| Snake gourd  | 550                            | —                    |
| Watermelon   | 21,160                         | —                    |
| Snake gourd  | 3,961                          | 1.07                 |

| Crop         | Grafted Seedlings | Area Covered (acres) |
|--------------|-------------------|----------------------|
| Tomato       | 1,56,859          | 20.91                |
| Brinjal      | 1,09,821          | 14.64                |
| Bitter gourd | 52,656            | 14.23                |
| Bottle gourd | 32,424            | 8.76                 |
| Cabbage      | —                 | —                    |
| Capsicum     | —                 | —                    |
| Chilli       | 15,893            | 1.32                 |
| Drumstick    | 20,264            | 20.26                |
| Ridge gourd  | —                 | 2.71                 |
| Snake gourd  | —                 | 2.14                 |
| Watermelon   | —                 | 0.15                 |
| Snake gourd  | —                 | 5.72                 |

एक निश्चित क्षेत्र में उत्पादित पौधों की तुलना (ग्राफ्टेड और गैर-ग्राफ्टेड दोनों) (स्रोत: ICRISAT वार्षिक रिपोर्ट – ग्राफ्टेड सब्जियाँ)

2019–20 में, ग्राफ्टेड पौधे 9 जिलों के 14 ब्लॉकों में किसानों को दिए गए। दूसरे साल, 3.86 लाख ग्राफ्टेड और 19 लाख सामान्य पौधे तैयार किए गए, जिससे कई किसानों को बड़े क्षेत्र में फायदा हुआ।

## ग्राफ्टेड और गैर-ग्राफ्टेड पौधों की लागत का विवरण – कुप्पम क्षेत्र (AP) की केस स्टडी



### वित्तीय विश्लेषण: निवेश बनाम लाभ

#### निवेश (लागत)



#### थुक्क लाभ उत्पन्न करना

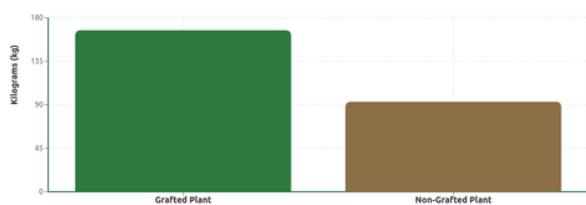


**निचोड़: ग्राफ्टिंग में हर टा के निवेश पर किसान लगभग ₹6 कमाते हैं।**

## ग्राफ्टेड और अग्राफ्टेड पौधों की उपज तुलना – पंजाब की एक नसरी का केस स्टडी

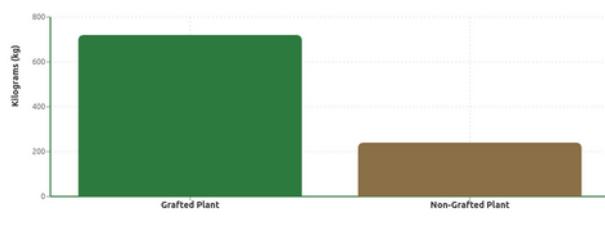
#### First Harvest Period

29 November 2019 – 25 January 2020



#### Second Harvest

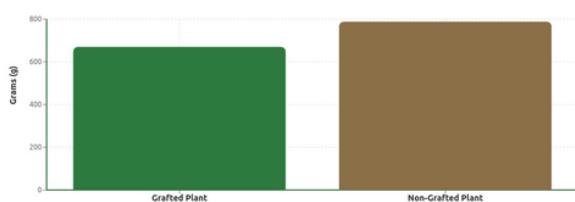
4 April 2020



#### कुल फसल

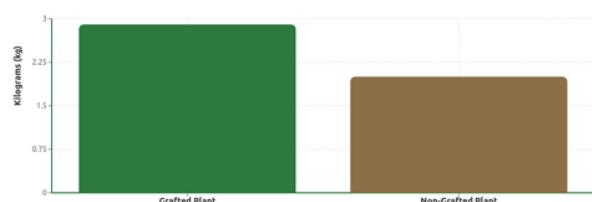
#### First Harvest Period

29 November 2019 – 25 January 2020



#### Second Harvest

4 April 2020



प्रति पौधा औसत

**ग्राफ्टेड पौधों ने समान कटाई चरण में सामान्य पौधों की तुलना में 40–60% अधिक उपज दी।**

# मैन्युअल ग्राफिंग बनाम रोबोटिक ग्राफिंग की अर्थव्यवस्था

## मैन्युअल ग्राफिंग

### श्रम उत्पादकता

प्रति कर्मचारी प्रतिदिन ग्राफ्ट: 500  
कर्मचारियों की संख्या: 5  
प्रतिदिन कुल ग्राफ्ट:  $5 \times 500 = 2,500$  ग्राफ्ट/दिन

### कुल उत्पादन क्षमता

दैनिक उत्पादन: 2,500 ग्राफ्ट  
वार्षिक उत्पादन:  $2,500 \times 20 \times 12 = 6,00,000$  ग्राफ्टेड पौधे प्रति वर्ष

### श्रम लागत

प्रति कर्मचारी प्रतिदिन वेतन: ₹800  
5 कर्मचारियों का प्रतिदिन वेतन:  $5 \times 800 = ₹4,000/\text{दिन}$   
मासिक श्रम लागत (20 कार्य दिवस):  
 $4,000 \times 20 = ₹80,000/\text{महीना}$   
वार्षिक श्रम लागत:  
 $80,000 \times 12 = ₹9,60,000/\text{वर्ष}$

### प्रति पौधा लाभ

- प्रति पौधा उत्पादन लागत: ₹10
- प्रति पौधा बिक्री मूल्य: ₹12
- प्रति पौधा लाभ:  $12 - 10 = ₹2$
- वार्षिक कुल पौधे: 6,00,000
- कुल लाभ:  $6,00,000 \times ₹2 = ₹12,00,000$

### थुद्ध लाभ (सभी लागतों के बाद)

थुद्ध लाभ = कुल लाभ – श्रम लागत –  
अतिरिक्त लागत

मान लें अतिरिक्त लागत = ₹1,00,000

### गणना

कुल लाभ = ₹12 लाख  
श्रम लागत = ₹9.6 लाख  
अतिरिक्त लागत = ₹1 लाख  
थुद्ध लाभ = ₹12 लाख – ₹9.6 लाख – ₹1 लाख

**थुद्ध लाभ = ₹1.4 लाख प्रति वर्ष**

## रोबोटिक ग्राफिंग

### निवेश लागत

रोबोट की एक बार की लागत: ₹5,00,000

### मशीन उत्पादकता

प्रति रोबोट प्रतिदिन ग्राफ्ट: 4,000  
प्रतिमाह कुल ग्राफ्ट (20 कार्य दिवस):  $4,000 \times 20 = 80,000$  ग्राफ्ट/महीना  
वार्षिक कुल ग्राफ्ट:  $4,000 \times 20 \times 12 = 9,60,000$  ग्राफ्टेड पौधे/वर्ष

### श्रम लागत

कर्मचारी आवश्यक: 1  
प्रति कर्मचारी प्रतिदिन वेतन: ₹800  
मासिक श्रम लागत:  
 $800 \times 20 = ₹16,000/\text{महीना}$   
वार्षिक श्रम लागत:  
 $800 \times 20 \times 12 = ₹1,92,000$   
(गणना के लिए ₹2,00,000 के ढंप में गोल किया गया)

### प्रति पौधा लाभ

- प्रति ग्राफ्टेड पौधा लाभ: ₹2
- वार्षिक कुल पौधे: 9,60,000
- वार्षिक कुल लाभ:  $9,60,000 \times ₹2 = ₹19,20,000$

### थुद्ध लाभ (सभी लागतों के बाद)

थुद्ध लाभ = कुल लाभ – रोबोट लागत – श्रम लागत –  
अतिरिक्त लागत  
मान लें अतिरिक्त लागत = ₹1,00,000

### गणना

कुल लाभ = ₹19.2 लाख  
रोबोट लागत = ₹5 लाख  
श्रम लागत = ₹2 लाख  
अतिरिक्त लागत = ₹1 लाख  
थुद्ध लाभ = ₹19.2 लाख – ₹5 लाख – ₹2 लाख – ₹1 लाख

**थुद्ध लाभ = ₹11.2 लाख प्रति वर्ष**

# ग्राफिटो की ग्राफिटिंग मर्थीन का शोध में उपयोग



मॉड्यूलर और प्रोग्रामेबल प्लेटफॉर्म



अलग-अलग फसलों और शोध के लिए आसानी से बदलने वाले हिस्से।



सही परिणाम के लिए कटाई का कोण, दबाव और ऊँचाई बदल सकते हैं।



भरोसेमंद और दोहराने योग्य प्रयोगों के लिए सेटिंग्स तय की जा सकती हैं।

ग्राफिटो इनोवेशन्स की ग्राफिटिंग मर्थीन वर्तमान में सब्जी अनुसंधान और अध्ययन में बड़ा प्रभाव डाल रही है। यह विभिन्न फसलों को संभालने के लिए एक सटीक और लचीला प्लेटफॉर्म प्रदान करती है। यह स्मार्ट सिस्टम शोधकर्ताओं, नर्सरी और बीज कंपनियों के लिए उपयोगी टूल के रूप में काम कर सकता है, जो फसल प्रजनन, गुणवत्ता और ऑटोमेशन को बेहतर बनाना चाहते हैं।

## फसल अनुसंधान के अवसर - वर्तमान और निकट भविष्य में



### सब्जियाँ:

ठमाठर, बैंगन, मिर्च, खीरा, लौकी, भिंडी आदि, जिनमें ठट्ठाँक संगतता, रोग प्रतिरोध और तनाव सहनशीलता पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।



### सजावटी पौधे और फूल:

गुलाब, बोन्साई, बोगनवेलिया, एडेनियम और अन्य, जिनमें अनोखे फूलों के रंग और मल्टी-साइआन पेड़ के विकास को खोजा जा रहा है।



### फल:

सिट्रस, अनार, लीची, फ्रैग्रेन फ्रूट, अमरुद आदि, जिनमें बागान मानकीकरण और विदेशी फलों की संवर्धन में उपयोग किया जा रहा है।



### भविष्य में मोनोकोटस पर प्रयोग:

चावल, अन्य अनाज, घास और अन्य फसलों पर विशेष रूप से डिजाइन किए गए उपकरणों का उपयोग करके ग्राफिटिंग के प्रयोग।



### हाइड्रोपोनिक्स और नियंत्रित वातावरण कृषि

वर्टिकल फार्मिंग सिस्टम में रोग-प्रतिरोधी और लवण-सहनशील ठट्ठाँक विकसित किए जाते हैं। ग्राफिट किए हुए पौधे मजबूत और बेहतर जड़ प्रणाली बनाते हैं, जो हाइड्रोपोनिक्स में और भी अच्छा प्रदर्शन करती हैं।

# अन्य उत्पाद और सेवाएँ

## हैंड ग्राफ्टिंग टूल: स्लाइस ग्राफ्टिंग अब आसान

हमारा हैंड ग्राफ्टिंग टूल साफ़ और सटीक कट देता है, वह भी कम मेहनत में, जिससे नर्सरी, किसानों और बागवानी पेशेवरों के लिए ग्राफ्टिंग करना आसान और भरोसेमंद हो जाता है।

सटीकता और आराम को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया यह टूल उपयोगकर्ताओं को ग्राफ्टिंग सहजता से करने में मदद करता है, साथ ही मजबूत और स्वच्छ ग्राफ्ट यूनियन बनाता है और सफलता की दर लगातार उच्च बनाए रखता है।



सटीक 30°-45°  
कोणीय कट



साधारण ऐरेल  
ब्लेड का उपयोग  
करता है



सुविधाजनक और  
आरामदायक  
डिजाइन

## ग्राफ्ट्रैक (GrafTrack)

सभी ग्राफ्टिंग डेटा को एक ही जगह रिकॉर्ड और प्रबंधित करने के लिए बनाया गया एप्लिकेशन।



प्रि-ग्राफ्ट और पोस्ट-ग्राफ्ट विवरण को तापमान, आर्द्रता और अन्य सूक्ष्म-जलवायु परिस्थितियों के साथ स्टोर करता है।



पूरी तरह अनुकूलन योग्य, ताकि इसे किसी भी नर्सरी या रिसर्च वर्कफ़्लो के अनुसार ढाला जा सके।



सरल इंटरफ़ेस, जिससे डेटा को कभी भी रिकॉर्ड करना, ट्रैक करना और समीक्षा करना आसान हो जाता है।



यह पूरी ग्राफ्टिंग डॉक्यूमेंटेशन को अधिक व्यवस्थित, भरोसेमंद और कुशल बनाता है।

Date Range: Last 3 Months

Total Grafts: 24 (All grafting operations)

Success Rate: 50.00% (1 successful grafts)

Failed Grafts: 1 (Unsuccessful operations)

Pending: 19 (Awaiting status update)

Graft Status Distribution: 16 (Fai), 2 (Si)

Quality Distribution: 5 (Bad), 17 (Good)

Operator Performance: 24 (Excellent)

Grafting Records (32):

| Date/Time          | Operator            | Plant ID | Graft ID | Blade ID | Scion/Rootstock | Diameters (mm)           | Graft Type      | Environment | Quality |
|--------------------|---------------------|----------|----------|----------|-----------------|--------------------------|-----------------|-------------|---------|
| Oct 09, 2025 17:34 | Vishnupriya Grafito | R1C1P8   | 7        | 3        | Tomato / Tomato | S: 2mm R: 2mm C: 2.1mm   | splice grafting | 25°C 54%    | Good    |
| Oct 09, 2025 17:34 | Vishnupriya Grafito | R1C1P7   | 7        | 3        | Tomato / Tomato | S: 2mm R: 2mm C: 2.1mm   | splice grafting | 25°C 54%    | Good    |
| Oct 09, 2025 15:59 | Vishnupriya Grafito | R1C1P6   | 6        | 3        | Melon / Melon   | S: 2.8mm R: 3mm C: 2.8mm | splice grafting | 26.5°C 60%  | Fair    |

# ग्राफिटो का चैटबॉट (Grafito's Chat Bot)

ग्राफिटो का AI-पावर्ड चैटबॉट हर पौधे की ग्राफिटिंग स्टेज में सार्टीक और शोध-आधारित सुझाव देने के लिए बनाया गया है।



उपयोगकर्ताओं को सही पर्यावरणीय परिस्थितियाँ पहचानने, प्रत्येक राज्य के लिए उपयुक्त रूटस्टॉक-सायरन संयोजन चुनने, और विशेष टोगों या तनाव कारकों के प्रति प्रतिरोधक किट्सें चुनने में मदद करता है।



यह चैटबॉट वास्तविक, सत्यापित स्रोतों और व्यापक शोध रिपोर्टों के आधार पर बनाया गया है, इसलिए उपयोगकर्ताओं को सार्टीक और भरोसेमंद उत्तर मिलते हैं, जबकि अन्य चैटबॉट अक्सर गलत या अधूरी जानकारी देते हैं।

Hi there! 🖐

Start a chat. We're here to help you 24/7.

what are some good seed varieties for grafting

Could you please specify the Indian state or region you are interested in? Also, let me know which vegetable or crop you want to graft. This will help me provide you with seed varieties that are best suited for grafting in your particular climate and soil conditions.

I am looking for kerala

Thank you for specifying Kerala. Could you please let me know the particular vegetable crop or crops you are interested in grafting? Some common grafted vegetable crops include tomato, brinjal (eggplant), cucumber, watermelon, and chili. This will help me identify the best seed varieties and rootstock-scion combinations suited for Kerala's climate, soil, and prevalent pest/disease conditions.

I am looking for brinjal and tomato

For grafting tomato and brinjal in Kerala, here's a detailed recommendation based on regional considerations and available grafting data:

## **Tomato Grafting Varieties and Rootstocks**

- Recommended Rootstock: Resistant tomato varieties such as Arka Rakshak and Arka Abhed, which provide Fusarium wilt and root-knot nematode resistance.
- Why it works: These resistant tomato rootstocks thrive well in Kerala's humid tropical climate and soils, which can be prone to bacterial wilt and nematodes. Utilizing resistant rootstock reduces disease incidence and improves plant vigor.
- Alternative Rootstock: Solanum torvum (wild eggplant) is highly effective against bacterial wilt and nematodes and is recommended especially in wilt-prone soils common in Kerala.

## **Brinjal (Eggplant) Grafting Varieties and Rootstocks**

Type your question.. ➤

# व्यवसाय और नवाचार के अवसर



- नक्सरी और हाइड्रोपोनिक फार्मों में ऑन-फार्म रिसर्च सेटअप को सक्षम बनाता है, जिससे पौधों का उत्पादन और प्रयोग बढ़ता है।



- बीज कंपनियों, नक्सरी और विश्वविद्यालयों के साथ संयुक्त प्रजनन कार्यक्रम और बहु-स्थान परीक्षण के लिए सहयोग के अवसर खोलता है। इसके अलावा, हम अपनी मरीन प्रयोगों और ट्रायल के लिए किराए पर भी उपलब्ध कराते हैं।



- विशेष क्लिप्स, AI-आधारित सिस्टम और अन्य तकनीकों जैसे नए ग्राफिटिंग उपकरणों के विकास को बढ़ावा देता है, ताकि ग्राफिटिंग की दक्षता बढ़ाई जा सके।



# अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)

 **मर्थीन को अन्य ग्राफिटिंग तरीकों और पौधों (जैसे फल, फूल और औषधीय पौधे) के लिए कैसे अनुकूल बनाएं?**

इसके लिए हमारी टीम से संपर्क करें, जो कस्टमाइजेशन और आवश्यक बदलाव कर सकती है।

 **क्या ग्राफिटिंग पौधों की पोषण गुणवत्ता को प्रभावित करती है?**

 ग्राफिटिंग से पोषण गुणवत्ता कम नहीं होती; कई मामलों में यह इसे बढ़ा भी सकती है। मजबूत फ्लट्टॉक पौधे को बेहतर पानी और पौष्कर तत्व अवशोषित करने में मदद करता है, जिससे पौधा स्वस्थ रहता है। इसका परिणाम होता है बेहतर गुणवत्ता, मजबूती और स्थिरता वाले फल और सब्जियाँ। रोग और तनाव प्रतिरोध बढ़ने से कुल पोषण मूल्य भी बेहतर बना रहता है।

 **मर्थीन प्रति दिन कितनी बिजली और लागत खर्च करती है?**

 मर्थीन द्वारा उपयोग की गई बिजली की लागत प्रति दिन 10 रुपये से कम आती है।

 **इस मर्थीन का उपयोग करने वाले खरीदार के लिए निवेश पर लाभ (ROI) कितना होगा?**

 ROI मैनुअल ग्राफिटिंग तकनीक की तुलना में 4 गुना अधिक होगा।

 **ग्राफिटिंग मर्थीन की अनुमानित आयु कितनी है?**

 चूंकि सभी स्पेयर पार्ट्स आसानी से उपलब्ध हैं और मर्थीन की सर्विस ज़खरत पड़ने पर की जा सकती है, सही रख-रखाव से इसकी आयु काफी बढ़ाई जा सकती है।

 **ग्राफेट पौधे और हाइब्रिड बीज में क्या अंतर है?**

 ग्राफेट पौधे: दो पौधों (फ्लट्टॉक + सायन) को जोड़कर बनाए जाते हैं ताकि वे एक साथ बढ़ें। इसका मुख्य उद्देश्य रोग प्रतिरोध, तनाव सहनशीलता और मजबूत वृद्धि है।

हाइब्रिड बीज: दो माता-पिता पौधों को क्रॉस करके नए बीज बनाए जाते हैं, जिसमें दोनों के गुण शामिल होते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य उच्च उपज और एकसमानता है।

 **अपने क्षेत्र में किस फ्लट्टॉक किस्म को उगाना चाहिए, यह कैसे जानें?**

 फ्लट्टॉक की वह किस्म चुनें जो आपके क्षेत्र की मिट्टी की समस्याओं और जलवायु के अनुकूल हो।

स्थानीय किसान और नसीरी इस किस्म की सफलता प्रमाणित करते हैं।

इसके अलावा, इसे कृषि भवन या अपने नजदीकी KVK के विशेषज्ञ भी सुझाते हैं।

 **क्या आप भारत के बाहर शिपिंग करते हैं?**

 उत्तरराष्ट्रीय शिपमेंट Q4 2026 में थुक होंगे।

 **ग्राफिटो कहाँ आधारित है?**

 ग्राफिटो एक एग्रीटेक प्रोडक्ट-बेड डीपटेक स्टार्टअप है, जो कोच्चि, केरल में स्थित है और कृषि ऑटोमेशन समाधानों पर काम कर रहा है।

 **ऑटोमेटेड ग्राफिटिंग मर्थीन खरीदने की प्रक्रिया क्या है?**

 आप अपनी छंचि [www.grafito.in](http://www.grafito.in), WhatsApp 9074056134, या ईमेल [hello@grafito.in](mailto:hello@grafito.in) के माध्यम से दर्ज कर सकते हैं।

इसके बाद, आपकी ज़खरत समझाने के लिए हेमो सेशन या साइट विजिट थोड़ा लंबा किया जाएगा।

मर्थीन को आपकी आवश्यकताओं के अनुसार कॉन्फिगर और इंस्टॉल किया जाएगा।



# अपने नसुरी संचालन को उन्नत ऑटोमेशन से बदलें - आज ही अपनी ग्राफिंग मशीन प्री-ऑर्डर करें!

हमारे सोशल मीडिया हैंडल्स से जुड़े रहें और अधिक जानकारी, नए छाँग और न्यूज़लेटर के लिए हमारी वेबसाइट पर जाएँ।



[linktr.ee/grafito.in](http://linktr.ee/grafito.in)

कोई सवाल है या हमारे उत्पादों के बारे में और जानना चाहते हैं? हमसे संपर्क करें।

✉ hello@grafito.in

🌐 [grafito.in](http://grafito.in)

📞 +91 90740 56134